प्रशिक्षण अवधि के दौरान आवास व्यवस्था (Accommodation)

संलग्न पंजीयन प्रारूप में प्राप्त अनुरोध के आधार पर संस्थान के विश्राम गृह/ होस्टल में रहनें की उचित सुविधा उपलब्ध करवाई जावेगी। अन्य स्थान पर रुकनें की पर व्यवस्था तथा उक्त परिस्थिति में प्रशिक्षण स्थल पर पहुचनें की व्यवस्था प्रशिक्षार्थी को स्वयं करनी होगी।

पात्रता की शर्तें (Eligibility criteria)

इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागिता पूर्णतय: निशुल्क है । सभी स्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थी, गैर-सरकारी संस्थाओं, स्व: सहायता समूहों के प्रतिनिधि संभावित प्रशिक्षाणर्थी हो सकते हैं ।

महत्वपूर्ण तिथियाँ (Important dates)

15/08/2017: पंजीयन हेतु आवेदन की अंतिम तिथि ।

21/08/2017: संस्थान द्वारा चयनित प्रशिक्षणार्थियों को सूचना ।

24/08/2017: चयनित प्रशिक्षार्थियों द्वारा भागिदारिता का पुष्टिकरण।

महत्वपूर्ण सूचना

पँजीयन हेतु आवेदन निर्धारित प्रारुप का प्रयोग कर ईमेल द्वारा भी भेजा जा सकता है। प्शिक्षार्थियों से अनुरोध है कि समय पर सूचना प्राप्त करनें हेतु सही मोबाईल नंबर तथा ईमेल पता पँजीयन आवेदन में प्रेषित/प्रदान करे।

पंजीयन/ आवेदन का प्रारूप

लाख की खेती द्वारा अतिरिक्त आय

(12 – 14 सितंबर, 2017)

नाम :...

पता :...

....

....

क्या रुकनें तथा भोजन व्यवस्था की आवश्यकता है ? (हाँ / नहीं): ......

दूरभाष :..

मोबाइल: ....

ई. मेल : ....

तारीख :...........

हस्ताक्षर

कृपया उपरोक्त विवरण पंजीयन हेतु स्वयं, ई.मेल अथवा डाक द्वारा नीचे दिये पते पर प्रेषित करें:

डॉ. नितिन कुलकर्णी, प्रशिक्षण समन्वयक

वैज्ञानिक – जी, अध्यक्ष, कौशल विकास प्रकोष्ठ

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

पोस्ट – आर. एफ. आर. सी., मंडला रोड

जबलपुर (म.प्र.) – 482021

Phone - 0761-2840634,

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें -

डा. नितिन कुलकर्णी – 9425325430

डा. एस. एन. मिश्रा -9826177242

E. mail: headext_tfri@icfre.org, tfriextension@gmail.com, kulkarnin@icfre.org,

Website: http://tfri.icfre.gov.in

प्रशिक्षण कार्यक्रम

लाख की खेती द्वारा अतिरिक्त आय

(12 – 14 सितंबर, 2017)

आयोजक

कौशल विकास प्रकोष्ठ

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

पोस्ट – आर. एफ. आर. सी., मंडला रोड

जबलपुर (म.प्र.) – 482021

Website: http://tfri.icfre.gov.in

प्रशिक्षण कार्यक्रम

लाख की खेती द्वारा अतिरिक्त आय

(12 – 14 सितंबर, 2017)

भारत लाख उत्पादित करनें वाला प्रमुख देश है। विश्व के कुल लाख उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 70% है। लाख का उपयोग विभिन्न प्रकार के सौन्दर्य प्रसाधन तथा आभूषण तैयार करनें के अतिरिक्त कपड़ा तथा चमड़ा उधोग में, पेंट तथा पालिश तैयार करने हेतु एवं फ़ोटोग्राफ़ी में भी किया जाता है। लाख दो प्रकार की होती हैः रंगिनी तथा कुसुमी लाख। यह नामकरण मुख्यतः लाख उत्पादन करनें वाले कीट *केरिया लक्का* या *लाक्कीफ़र लाक्का* के होस्ट पेड़ो के नाम पर आधारित है। इन होस्ट पेड़ों तथा लाख उत्पादन करनें वाले कीटों को सामान्य कृषि के साथ जोड़ कर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है, जिसमें कि पुरुष तथा स्त्रीयाँ समान रुप से भाग ले सकते है। जब संसाधनों में दिनों-दिन कमी हो रही हो तब बढती जनसँख्या के कारण बढी हुई- आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इस तकनिक को अपनाकर इच्छुक प्रतिभागी अपना जीवन स्तर सुधार सकता है। अतः लाख उत्पादन तथा उपयोंग संबंधी जानकारी एवं प्रशिक्षण, ना केवल भविष्य में इनकी लोकप्रियता बढ़ाने हेतु अपितु स्वयं द्वारा इनके उत्पादन हेतु आवश्यक है । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार सामान्य जन-समूह में कौशल विकास हेतु आयोजित किया जा रहा है तथा इससे पर्यावरणनुकूल तकनीकों का अधिक से अधिक विस्तार किया जा सकेगा।

जबलपुर शहर

जबलपुर शहर पवित्र नर्मदा नदी के किनारे बसा है। यह शहर प्रदेश का एक प्रमुख सांस्कृतिक, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक केन्द्र है, जहाँ पर प्रदेश का उच्च न्यायालय तथा अनुसंधान संस्थानों के अलावा चार विभिन्न विश्वविद्यालय भी स्थित हैं ।

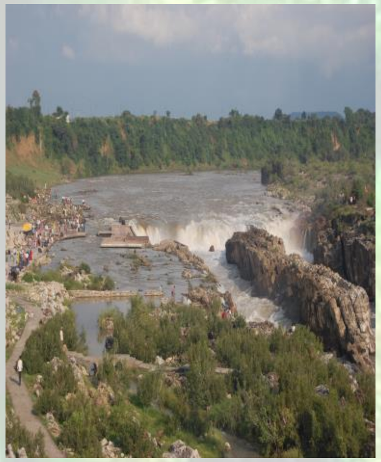

यह शहर संगमरमर की चट्टानों के लिये विश्व प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त यह शहर प्राचीन कल्चुरी कालीन चौसठ योगिनी मंदिर, डुमना प्राकृतिक रिजर्व, बरगी बाँध, तथा घुघुवा जीवाश्म पार्क हेतु भी प्रसिद्ध है ।

यह शहर कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, पेंच राष्ट्रीय उद्यान तथा बान्धवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान से भी सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है । मध्य प्रदेश के भी लगभग मध्य में स्थित होने से यह शहर देश के लगभग सभी शहरों से रेल, बस एवं वायु मार्गों से भली-भाँति जुड़ा हुआ है । माह सितंबर में शहर का मौसम 25 – 30 ^{0}C तापमान के साथ अनुकूल रहता है ।

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार) के अंतर्गत मध्य क्षेत्र का एक प्रमुख वन अनुसंधान संस्थान है ।

संस्थान लगभग 109 हेक्टेयर क्षेत्रफल में स्थित है तथा 8 अनुसंधान प्रभागों तथा 1 विस्तार प्रभाग के साथ विभिन्न राज्य वन विभागों, गैर-सरकारी संस्थाओं तथा स्वः सहायता समूहों के लिए वनों तथा पर्यावरण से संबंधित अनुसंधान हेतु कार्यरत है । संस्थान एक प्रमुख शैक्षणिक केन्द्र भी है ।

प्रशिक्षण की रूप-रेखा

प्रशिक्षण कई संभावित सामान्य रूप-रेखा निम्न प्रकार से है -

1. लाख संवर्धनः एक अवलोकन
2. वैज्ञानिक तकनिक अपनाकर लाख का उत्पादन
3. सामान्य के अतिरिक्त अल्प अवधि के होस्ट पेड़ो का प्रयोग कर लाख उत्पादन
4. लाख का मूल्य संवर्धन
5. क्षेत्र भ्रमण